CLASS: II
SESSION NO:3
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NUMBER: पाठ- 14
TOPIC : हमारे प्रेरणा स्रोत
SUB TOPIC:मौखिक प्रश्न उत्तर ,व्याकरण-वचन बदलो

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

शिक्षण क उद्देश्य ा

- छात्रों में प्रश्न उत्तर से संबंधित ज्ञान की प्राप्ति होगी तथा छात्रों के व्याकरणिक कौशल में विकास होगा।

पाठ- 14 हमारे प्रेरणा स्रोत

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- कर्नाटक पूरे भारतवर्ष में अपनी कला संस्कृति और साहित्य के लिए प्रसिद्ध है
- मीराबाई तथा सूरदास की तरह ही श्री कृष्ण के भक्ति पद गाने वालों में दक्षिण के कनकदास जी प्रसिद्ध हैं।
- कनक दास जी ने कई गीतों तथा कीर्तनों की रचना की है, जो दक्षिण में खूब प्रसिद्ध हैं ।
- कनकदास का जन्म घारवाड़ के पास बाड़ नामक ग्राम में हुआ था ।
- उनके पिता का नाम बीरप्पा गौडा था और माता का नाम बचम्मा था ।
- उनके बचपन का नाम 'तिमप्पा' था ।

- एक बार तिमप्पा ज़मीन खोद रहे थे ,तब उन्हें सोने के कुछ सिक्के मिले ।उन्होंने उन सिक्कों से अपना ग्राम बाड़ का उद्धार किया ।
- बाद में वे कागिनेले आए और वहाँ उन सिक्कों की मदद से उन्होंने 'आदिकेशव' का मंदिर बनवाया। इसी कारण उनका नाम 'कनक नायक' पड़ा ।

- श्री कृष्ण के प्रति उनकी अपार श्रद्धा थी। उन्होंने अपनी कविताओं में श्री कृष्ण के बाल रूप का वर्णन किया है। उनकी कविताओं को 'कीर्तन' के नाम से जाना जाता है।
- उनके गुरु का नाम 'व्यासराय ' था ।कनक नायक नाम ही आगे चलकर 'कनकदास' हुआ ।
- उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं - मोहन तरंगिणी, नल चरित, रामधान्य चरित, हरिभक्ति सागर आदि ।
- कनक दास जी ने करीब 400 से भी ज़्यादा कीर्तनों की रचना की।
- कनकदास जी कन्नड़ साहित्य सागर के चमकते सितारे हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

1. कम से कम शब्दों में उत्तर बताइए

क. कर्नाटक किस लिए प्रसिद्ध है?

उः कर्नाटक अपनी कला ,संस्कृति और साहित्य के लिए प्रसिद्ध है।

ख. कनकदास के बचपन का नाम क्या था?

उः कनकदास के बचपन का नाम तिमप्पा था।

ग. उन्होंने अपनी कविताओं में किनका वर्णन किया?

उः उन्होंने अपनी कविताओं में श्री कृष्ण के बाल रूप का वर्णन किया।

लिखित

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

1. सही उत्तर चुनकर लिखिए-

क. कनक नायक आगे चलकर कनकदास बने।

ख. कनक दास ने बालकृष्ण का वर्णन किया है।

ग. कनक दास कर्नाटक के संत कवियों में एक हैं।

घ. कनकदास जी ने करीब चार सौ से भी ज़्यादा कीर्तनों की रचना की है।

2. रिक्त स्थान भरिए

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

क. कला संस्कृति और साहित्य

ख. कीर्तन

ग. व्यासराय

घ. सितारे

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पत्ता

पत्ते

केला

केले

जूता

जूते

वचन

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्द के जिस रूप से एक या एक से अधिक का बोध होता है, उसे हिन्दी व्याकरण में 'वचन' कहते है।

वचन दो प्रकार के होते हैं

- एकवचन
- बहुवचन

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

एकवचन	बहुवचन
पत्ता	पत्ते
जूता	जूते
छाता	छाते
गमला	गमले
दरवाज़ा	दरवाज़े
केला	केले

एकवचन	बहुवचन
मटका	मटके
पौधा	पौधे
मुरगा	मुरगे
चूहा	चूहे
तोता	तोते
तारा	तारे

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गृह कार्य

पृष्ठ संख्या 87 प्रश्न संख्या 1 तथा 2 कॉपी में करें

सीखने के प्रतिफल

छात्र पाठ संबंधित ज्ञान के साथ वचन संबंधित ज्ञान प्राप्त कर पाएँगे, इससे उनकी भाषाई क्षमता विकसित हुई

freepptbackground.com

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP